Note : If you would like to view or download the entire book please go through home page of Jain eLibrary Website – www.jainelibrary.org and register your e-mail id (or sign in if previously registered).

Tulsi Prajna 2008 01

Folder No.	024634
Granth Name	Tulsi Prajna 2008 01
Editor	Shanta Jain, Jagatram Bhattacharya
Publisher	Jain Vishwa Bharti - Ladnun
Edition	1
Year	2008
Pages	100

तुलसीप्रज्ञा २००८ ०१

फोल्डर नं.	०२४६३४
ग्रन्थ	तुलसीप्रज्ञा २००८ ०१
सम्पादक	शान्ता जैन, जगतराम भट्टाचार्य
प्रकाशक	जैन विश्व भारती – लाडनूँ
आवृत्ति	१
प्रकाशन वर्ष	२००८
पृष्ठ	१००

मुख्य टाईटल

अनुक्रमणिका

हिन्दी खण्ड

दार्शनिक के लिए जरूरी है प्रयोगशाला – आचार्य महाप्रज्ञ ---------- ५

सृष्टिवाद – आचार्य महाप्रज्ञ ---------- ७

भारतीय दर्शनों में क्रिया एक विहंगम दृष्टि – प्रोफेसर – दामोदर शास्त्री ---------- १४

जैन वाङ्गमय व्यवहार भाष्य में चिकित्सा पद्धति – डॉ. साध्वी शुभ्रयशा ---------- ३५

निशीथ एवं उसके व्याख्या साहित्य में भारतीय आर्थिक स्थिति – डॉ. साध्वी श्रुतयशा -------- ४३

English Section

Acaranga – Bhasyam – Acarya Mahaprajna ---------- 53

The Concept of Anekanta – Late Dr. L. M. Singhvi ---------- 68

Improved pulmonary functions and positively altered glycosylated Hemoglobin level in NIDDM – Subject after Preksha Yoga Therapy – S K Gupta, J P N Mishra, P S Shekhawat ---------- 80

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org